

डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, चमत्कार, सत्र 5, प्राकृतिक क्षेत्र में यीशु के चमत्कार

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

हम अपना पाठ्यक्रम जारी रख रहे हैं, चमत्कारी और यीशु के चमत्कार। आप कह सकते हैं कि हमारी पहली चार इकाइयाँ, बड़े शीर्षक, चमत्कारी के अंतर्गत चली गईं, और पुराने नियम और नए नियम में चमत्कारों को देखा, और फिर हमने ईसाई धर्म में बाइबिल के बाहर के चमत्कारों को देखा, अगर आप चाहें, तो तब से, और फिर हमने विज्ञान और धार्मिक उदारवाद के उदय को देखा, और फिर हमने चमत्कारों पर आपत्तियों को देखा। अब हम दूसरे भाग की ओर मुड़ते हैं, जो यीशु के चमत्कार हैं, और यहाँ हम सबसे पहले चमत्कारों के बारे में कुछ परिचयात्मक सामग्री और फिर प्रकृति के चमत्कारों के बारे में देखने जा रहे हैं, और फिर हम यीशु के अधिकार को देखने जा रहे हैं, अगर आप चाहें, तो मानवीय क्षेत्र पर, और तीसरा, यीशु का आध्यात्मिक क्षेत्र पर अधिकार।

तो भगवान की इच्छा से हम यहीं जा रहे हैं। चमत्कार। पिछले व्याख्यान में, हमने बाइबिल के चमत्कार की यह परिभाषा प्रस्तावित की थी।

बाइबिल का चमत्कार एक अद्भुत या आश्चर्यजनक घटना है जो अलौकिक शक्ति प्रदर्शित करती है और जिसका उद्देश्य एक निश्चित महत्व रखना होता है। अब हम यीशु के कुछ चमत्कारों को देखेंगे, जिन्हें तीन शीर्षकों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है: प्राकृतिक क्षेत्र में चमत्कार, मानवीय क्षेत्र में चमत्कार और आत्मिक क्षेत्र में चमत्कार। हम प्रत्येक विशेष चमत्कार द्वारा प्रदर्शित अलौकिक शक्ति, इसे देखने वालों की प्रतिक्रिया और चमत्कार के स्पष्ट महत्व को देखेंगे।

ये सभी हमें इस बारे में कुछ बताएंगे कि यीशु कौन है और वह क्या करने आया है, यानी यीशु का व्यक्तित्व और कार्य। तो, प्राकृतिक क्षेत्र में चमत्कार। हम निम्नलिखित को प्रकृति के चमत्कारों के समूह के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं।

पानी का शराब में बदलना। मछलियों का चमत्कारी रूप से पकड़ा जाना। तूफ़ान को शांत करना।

5,000 को खाना खिलाना, 4,000 को भी खाना खिलाना। पानी पर चलना। मछली के मुँह में सिक्का।

हम इनमें से कुछ पर नज़र डालेंगे जिन्हें मैंने अन्य पावरपॉइंट्स में शामिल नहीं किया है जो हमारी IBRI वेबसाइट पर होंगे। तो, आइए सबसे पहले लूका 5, आयत 1-11 में पाए गए चमत्कारी पकड़ पर नज़र डालें। NIV में यह अंश इस तरह दिखता है।

एक दिन, जब यीशु गलील की झील, यानी गन्नेसरत की झील के किनारे खड़े थे, और लोग उनके चारों ओर जमा थे और परमेश्वर का वचन सुन रहे थे, तो उन्होंने पानी के किनारे दो नावें देखीं, जिन्हें मछुआरे अपने जाल धो रहे थे। वह उन नावों में से एक पर चढ़ गया, जो शमौन, शमौन पतरस की थी, और उससे कहा कि वह किनारे से थोड़ा दूर चला जाए। फिर, वह बैठ गया और नाव से लोगों को उपदेश देने लगा।

जब वह यह कह चुका, तो शमौन से कहा, “ गहरे पानी में जाकर मछलियाँ पकड़ने के लिए जाल डालो।” शमौन ने उत्तर दिया, “हे स्वामी, हमने सारी रात मेहनत की, पर कुछ भी नहीं पकड़ा; परन्तु तू कहता है, इसलिये मैं जाल डालता हूँ।” जब उन्होंने जाल डाला, तो इतनी मछलियाँ पकड़ीं कि उनके जाल फटने लगे।

इसलिए उन्होंने दूसरी नाव पर बैठे अपने साथियों को संकेत दिया कि वे आकर उनकी सहायता करें। वे दोनों नावों में इतनी अधिक नाव भर गए कि वे डूबने लगीं। जब शमौन पतरस ने यह देखा, तो वह यीशु के घुटनों पर गिर पड़ा और बोला, “हे प्रभु, मेरे पास से चले जाओ , मैं पापी मनुष्य हूँ।” क्योंकि वह और उसके साथी इतनी अधिक मछलियाँ पकड़कर चकित हुए थे।

और जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना जो शमौन के साथी थे, उन पर भी ऐसा ही हुआ। तब यीशु ने शमौन से कहा, मत डर। अब से तू मनुष्यों को पकड़ा करेगा।

इसलिए, उन्होंने अपनी नावों को किनारे पर खींच लिया, सबकुछ छोड़ दिया, और उसके पीछे चल पड़े। घटना की ऐतिहासिकता। गलील में यीशु के सार्वजनिक मंत्रालय की शुरुआत के बाद, यह घटना घटी।

इसलिए, यीशु के सार्वजनिक मंत्रालय के आरंभ में, उन्होंने आराधनालयों में कुछ शिक्षाएँ दी थीं और दुष्टात्माओं को बाहर निकालने का काम किया था। इस समय, यीशु के पास पहले से ही बहुत बड़ी भीड़ उमड़ रही है, और इस असुविधा के कारण नाव को बोलने के लिए मंच के रूप में इस्तेमाल करना पड़ता है। जाहिर है, अगर आप किनारे पर खड़े होते हैं, तो लोग आपके आस-पास भीड़ लगाते रहते हैं, और आपको उन्हें दूर रखने का कोई तरीका निकालना होगा, लेकिन अगर आप नाव में सवार होकर किनारे से पीछे हट जाते हैं, तो आगे के लोग पानी में बहुत दूर नहीं जाना चाहते, और इससे यह रुक जाता है।

शिष्यों ने पिछली रात मछली पकड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली, और अब उन्हें बहुत बड़ी मछली मिली। कई उदारवादी व्याख्याएँ। एक, बेशक, यह एक ऐतिहासिक व्याख्या नहीं बल्कि एक रूपक था।

और इसलिए, आप जानते हैं, अब आप मछलियों के बजाय मनुष्यों को पकड़ेंगे, और इसलिए यह रूपक इसी बारे में है। खैर, यह स्पष्ट रूप से किसी तरह की प्रतीकात्मक व्याख्या है, जैसा कि यीशु स्वयं देते हैं, है न? तो, उनका सुझाव गैर-यहूदियों द्वारा सुसमाचार प्राप्त करने का पहला संकेत है। दूसरी पकड़, बड़ी पकड़, गैर-यहूदी हैं, और रात भर कुछ भी न पकड़ने की पहली कोशिश यहूदी हैं।

तो, यह एक बढ़िया पकड़ है, यहूदी प्रतिक्रिया के मुकाबले एक बढ़िया प्रतिक्रिया। अगर ऐतिहासिक है, तो उदारवादी कहेंगे कि यीशु ने मछली देखी और शिष्यों को बताया। खैर, यहाँ थोड़ी भौतिकी आती है।

नाव से कितनी दूरी पर पानी में मछली देखी जा सकती है? जब मछलियाँ पानी से बाहर कूदती हैं तो उन्हें बहुत दूर से देखा जा सकता है, ठीक है? लेकिन ऐसा अक्सर नहीं होता। हवा-पानी के इंटरफेस पर एक महत्वपूर्ण कोण होता है कि अगर आप ऊर्ध्वाधर से इस संख्या से अधिक डिग्री पर हैं, तो आप जो देखते हैं वह पानी के नीचे से आने वाली रोशनी के बजाय पानी के ऊपर से प्रतिबिंब होता है। वह महत्वपूर्ण कोण 48:5 डिग्री है।

तो, यीशु, अपनी आँखों से, मान लीजिए, सतह से लगभग छह फीट ऊपर, नाव में खड़े हैं, इसलिए वास्तव में उनके पैर संभवतः पानी की सतह से नीचे हैं, नाव से लगभग सात फीट दूर पानी में देख सकते हैं। इसलिए, यह वास्तव में पानी में बड़ी संख्या में मछलियों को देखना मुश्किल बनाता है। इसलिए, प्राकृतिक दृष्टि एक संभावित व्याख्या नहीं है।

ऐतिहासिकता का प्रमाण, हमारे पास समय की मशीनें नहीं हैं। इसलिए, एक संदेहास्पद व्यक्ति कुछ समय बीत जाने के बाद किसी भी बात को नकार सकता है। व्यक्तियों, नावों की संख्या और मछली पकड़ने का विवरण दिलचस्प है और यह मामले के प्रत्यक्षदर्शी दृष्टिकोण का सुझाव दे सकता है।

चमत्कार का स्वाद अपोकलिफा और इस तरह के चमत्कारों से अलग है, जिन्हें हमने पहले देखा था। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया यह है कि यह स्पष्ट नहीं है कि इस समय तक भीड़ अभी भी आसपास है या नहीं। लेकिन जब पतरस को एहसास होता है कि यह उसे यीशु के बारे में क्या बताता है, तो उसे अपने पाप पर आश्चर्य होता है।

जब यीशु ने ऐसा करने को कहा तो उसने पहले ही इसे खारिज कर दिया था क्योंकि वे पहले ही ऐसा कर चुके थे, और दिन का मध्य भाग मछली पकड़ने का समय नहीं है। वे पूरी रात बाहर रहे थे, जो मछली पकड़ने के लिए बेहतर समय है। लेकिन अब, जब उसे एहसास हुआ कि उस समय उसका रवैया क्या था, तो उसने देखा कि यीशु ने क्या किया है।

यह कुछ हद तक पुराने नियम के ईश्वरीय दर्शन से मेल खाता है, जिसमें परमेश्वर के संपर्क में आने वाले लोग अचानक अपने पाप को पहचान लेते हैं। शिष्य, अपनी प्रतिक्रिया में, यीशु का अनुसरण करने के लिए सब कुछ छोड़ देते हैं। इसलिए, उन्हें एहसास होता है कि यह कोई चतुर चाल नहीं थी, बल्कि यीशु ही थे।

जाहिर है कि इस समय उनके पास त्रिविवाद की पूरी बात नहीं है, लेकिन उन्हें एहसास है कि यीशु कम से कम एक प्रमुख पैगंबर हैं और उनके शिष्य बनना उनके जीवन का एक बड़ा हिस्सा बिताने का एक अच्छा तरीका है। पुराने नियम की पृष्ठभूमि। मैं आमतौर पर अपने छात्रों को सुझाव देता हूँ कि जब वे यीशु के चमत्कारों को देख रहे हों, तो वे पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर एक नज़र डालें।

ऐसा क्यों है? दर्शकों के पास यही पृष्ठभूमि होगी। यीशु के शिष्य, आस-पास खड़े दूसरे लोग। उन्होंने नया नियम नहीं पढ़ा है, ठीक है? उनके पास पुराने नियम की पृष्ठभूमि है।

तो, हम क्या करें? यह चमत्कारों के किसी भी प्रतीकात्मक महत्व का एक बहुत ही संभावित स्रोत भी होगा। यह पृष्ठभूमि होगी। ये वे बातें हैं जो इन लोगों ने बड़े होते हुए सुनी हैं कि परमेश्वर ने इतिहास में क्या किया।

और अगर इन घटनाओं का प्रतीकात्मक महत्व है, तो यह भी इसके लिए संभावित स्रोत होने जा रहा है। और इसी तरह के चमत्कार। खैर, योना में एक मछली को हिलाने का वृत्तांत है।

तो, एक मछली को सही जगह पर ले जाना ताकि जब योना पानी में गिर जाए तो वह वहाँ उसका इंतज़ार कर रही हो। बहुत सारे जानवरों को ले जाना। यह कई जगहों पर दिखाई देता है।

मिस्र की विपत्तियाँ। आपको मच्छर और मेंढक और उस तरह की सभी चीजें मिलेंगी। और ऐसी ही अन्य चीजें।

जंगल में बटेर जिसे परमेश्वर इस्राएलियों को खिलाने के लिए पालता है। बहुत सारे जानवरों को ले जाना। चमत्कार नहीं, अन्य समानताएँ।

पुराने नियम में मछली। उत्पत्ति 1.28 और भजन 8.8 हमें बताते हैं कि मनुष्य को अन्य चीजों के अलावा मछलियों पर शासन करने के लिए बनाया गया था। तो, यह दिलचस्प है।

हम इन दिनों मछलियों पर शासन करने में बहुत सक्षम नहीं हैं। लेकिन शायद यह हमें यीशु के बारे में कुछ बता रहा है। वापस आकर इस बारे में सोचें।

इसके बजाय, उत्पत्ति 9:2 में, मछलियाँ मनुष्यों से डरती हैं और भाग जाती हैं। संभवतः, पतन या पतन के बाद की स्थिति का परिणाम। फिर भी, अय्यूब 12:7-10 हमें बताता है कि मछलियाँ परमेश्वर के हाथ में हैं।

इसलिए, परमेश्वर मछलियों को नियंत्रित करता है। इसलिए, उत्पत्ति 1:28। परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया और उनसे कहा, फलो -फूलो और संख्या में बढ़ो। पृथ्वी को भर दो और उस पर अधिकार करो।

समुद्र की मछलियों, आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो। उत्पत्ति 9:2. तुम्हारा भय और खौफ पृथ्वी के सब पशुओं, आकाश के सब पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर छा जाएगा।

समुद्र की सभी मछलियों पर। वे तुम्हारे हाथों में दिए गए हैं। अय्यूब 12.7-10। जानवरों से पूछो, और वे तुम्हें सिखाएँगे।

या आकाश के पक्षियों से बात करो, वे तुम्हें बता देंगे। या धरती से बात करो, वह तुम्हें सिखा देगी। समुद्र की मछलियाँ तुम्हें बता देंगी।

इनमें से कौन नहीं जानता कि यह सब प्रभु के हाथ ने किया है? उसके हाथ में हर प्राणी का जीवन और सारी मानवजाति की साँस है। चमत्कार का क्या महत्व है? खैर, तत्काल प्रभाव। मछुआरों को शानदार शिकार मिलता है।

और उन्हें यीशु के बारे में कुछ दिखाया गया है। उद्धार के इतिहास में उसका क्या स्थान है? यह अक्सर सोचने वाली बात है। न्यायियों, राजाओं, इतिहास, सुसमाचार और प्रेरितों की पुस्तक में होने वाली इन सभी घटनाओं को लेने के बजाय।

ये सिर्फ़ अलग-अलग रोचक कहानियाँ हैं। लेकिन परमेश्वर इतिहास में जो कर रहा है, उसमें ये कहानियाँ कैसे फिट बैठती हैं? खैर, यीशु दूसरे आदम हैं। वह आदम द्वारा खोई गई चीज़ों को वापस पाने के लिए आते हैं।

आदम ने, एक अर्थ में, मछलियों पर अपना स्वेच्छा से प्रभुत्व खो दिया है, अगर आप चाहें तो। लेकिन अब, यीशु ने उसे बहाल कर दिया है। इसलिए, यीशु इन मछलियों को जाल में लाने में सक्षम है।

हम नहीं जानते कि वह यह कैसे करता है, ठीक है? लेकिन वह यही करता है। प्रतीकात्मक तत्व। खैर, यीशु हमें यह पहले ही दे चुका है, है न? शिष्य दूसरे मनुष्यों के लिए वैसे ही होंगे जैसे मछुआरे मछलियों के लिए होते हैं।

मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊंगा। अगर तुम चाहो तो मनुष्यों को राज्य में इकट्ठा करोगे। मूल रूप से यही बात यीशु हमारे अंत में कहता है।

तो, यह उनके लिए एक प्रोत्साहन है कि यदि वे यीशु के साथ काम करते हैं, तो वे इस तरह की मछलियों को पकड़ सकते हैं। इसलिए, यीशु के साथ काम करते हुए, बहुत से लोग राज्य में आएँगे। जैसे परमेश्वर मछली पकड़ने में हमारी सफलता को नियंत्रित करता है, वैसे ही लोगों को बचाने में भी।

हम प्रकृति पर दूसरे चमत्कार की ओर बढ़ते हैं, और वह है 5,000 लोगों को भोजन कराना। यह मत्ती 14, मरकुस 6, लूका 9, यूहन्ना 6 में पाया जाता है। आइए यूहन्ना 6 को देखें। इसके कुछ समय बाद, यीशु गलील की झील, तिबिरियास की झील के दूर किनारे पर पहुँच गया। और लोगों की एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली क्योंकि उन्होंने बीमारों पर उसके द्वारा किए गए चमत्कारी चिन्हों को देखा था।

फिर यीशु पहाड़ पर चढ़ गया और अपने चेलों के साथ बैठ गया। यहूदियों का फसह पर्व निकट था। जब यीशु ने ऊपर देखा और एक बड़ी भीड़ को अपनी ओर आते देखा, तो उसने फिलिप्पुस से पूछा, “हम इन लोगों के खाने के लिए कहाँ से भोजन खरीदें?” उसने यह केवल उसे परखने के लिए पूछा, क्योंकि वह पहले से ही सोच रहा था कि वह क्या करने जा रहा है।

फिलिप ने उत्तर दिया कि आठ महीने की मज़दूरी से इतनी रोटी नहीं खरीदी जा सकती कि हर कोई एक निवाला खा सके। उसके एक और शिष्य, शमौन पतरस के भाई, एंड्रयू ने कहा। यहाँ एक लड़का है जिसके पास पाँच छोटी जौ की रोटियाँ और दो छोटी मछलियाँ हैं।

लेकिन इतने सारे लोगों के बीच वे कितनी दूर तक जाएँगे? यीशु ने कहा, “लोगों को बैठा दो।” उस जगह पर बहुत घास थी, और लोग बैठ गए, उनमें से लगभग 5,000 लोग थे। फिर यीशु ने रोटियाँ लीं, धन्यवाद दिया, और बैठे हुए लोगों को जितनी वे चाहते थे उतनी बाँट दीं।

उसने मछलियों के साथ भी ऐसा ही किया। जब सबने भरपेट खा लिया, तो उसने अपने शिष्यों से कहा कि जो टुकड़े बचे हैं, उन्हें इकट्ठा कर लो। कुछ भी बर्बाद न होने दो।

इसलिए, उन्होंने उन्हें इकट्ठा किया और खाने वालों द्वारा बचाई गई पाँच जौ की रोटियों के टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भरीं। जब लोगों ने यीशु द्वारा किए गए चमत्कारी चिह्न को देखा, तो वे कहने लगे, निश्चित रूप से यह वही भविष्यवक्ता है जो दुनिया में आने वाला है। संभवतः व्यवस्थाविवरण 18 में दिए गए अंश का संदर्भ देते हुए।

यीशु को पता था कि वे आकर उसे बलपूर्वक राजा बनाने का इरादा रखते हैं, इसलिए वह फिर से अकेले पहाड़ पर चला गया। खैर, इस घटना, अवसर की ऐतिहासिकता के बारे में थोड़ा सोचें। यह यीशु की गलीली सेवकाई का उत्तरार्द्ध भाग है।

बारह लोग अभी-अभी अपने मिशन से लौटे हैं। हम लूका में इसका वर्णन देखते हैं। यीशु ने अभी-अभी यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की फांसी के बारे में सुना है।

मत्ती में हमारे लिए इसका उल्लेख किया गया है। यीशु शिष्यों को विश्राम के लिए अलग ले जाता है, जैसा कि मरकुस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। भीड़ उनके पीछे-पीछे चलती है।

यीशु उन्हें पूरे दिन पढ़ाते हैं और फिर शाम को उन्हें खाना खिलाते हैं: उदार व्याख्याएँ, बाँटने का पाठ। बहुत से लोगों के पास खाना छिपा हुआ है, लेकिन वे बाँटने से डरते हैं।

वे सभी सोचते हैं, मेरे पास ही यह है, और अगर मैं इसे बाहर निकालता हूँ, तो पाँच हज़ार लोग मुझे घेर लेंगे, इत्यादि। लेकिन छोटा लड़का अपनी बात साझा करता है, और सभी शर्मिंदा होते हैं, और वे भी साझा करते हैं। यह एक उदारवादी व्याख्या है।

एक और कहानी एलिय्याह और एलीशा से तुलना करने के लिए मनगढ़ंत है। एलिय्याह, 1 राजा 17, 13, एलिय्याह ने सारपत की एक स्त्री से कहा, डरो मत, घर जाओ और जैसा तुमने कहा था वैसा ही करो, लेकिन पहले अपने पास जो कुछ है उससे मेरे लिए एक छोटी सी रोटी बनाओ, और उसे मेरे पास ले आओ, और फिर अपने और अपने बेटे के लिए कुछ बनाओ। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, कि जब तक यहोवा देश पर वर्षा न करेगा, तब तक न तो उस घड़े का आटा चुकेगा, और न उस कुप्पी का तेल सूखेगा।

या एलीशा, 2 राजा 4, 42, एक आदमी बाल शेलीशा से आया, और परमेश्वर के भक्त के पास जौ की बीस रोटियाँ लाया, जो पहले पके हुए अनाज से बनी थीं, और साथ में कुछ नए अनाज की बालें भी। एलीशा ने कहा, इसे लोगों को खाने के लिए दो। मैं इसे सौ आदमियों के सामने कैसे रख सकता हूँ, उसके सेवक ने पूछा।

लेकिन एलीशा ने उत्तर दिया, " लोगों को खाने के लिए दे दो , क्योंकि यहोवा यही कहता है, वे खाएँगे और कुछ बच भी जाएगा।" तब उसने उसे उनके सामने रख दिया, और उन्होंने खाया और कुछ बच भी गया, यहोवा के वचन के अनुसार। इस प्रकार, इन दो चमत्कारों और एलिय्याह और एलीशा के वृत्तांतों की तुलना करने के लिए एक काल्पनिक कहानी बनाई गई।

खैर, ऐतिहासिकता का प्रमाण, चारों सुसमाचारों में इसे काफी विविधता के साथ दर्ज किया गया है। वे एक दूसरे से नकल करते हुए नहीं दिखते। स्थान, क्षेत्र बेथसैदा और जूलियस का विवरण, यहाँ तक कि हरी घास, जो कि इज़राइल की जलवायु में है, काफी दुर्लभ है, यह मूल रूप से एक वसंत की घटना है।

अगर आप चाहें तो हमें घटनाओं के बारे में कुछ जानकारी दें। कोफिनोई का संदर्भ , यहूदियों की मानक खाद्य टोकरियाँ। और, बहुत अजीब बात है, यीशु ने बचे हुए भोजन को इकट्ठा किया।

आप कभी भी ऐसा कुछ नहीं देखेंगे, एक अपोकलिफ़ल चमत्कार, जहाँ, आप जानते हैं, वे मेज़पोश बिछाते हैं और आदेश देते हैं, और उस पर भोजन प्रकट होता है, और इस तरह की सभी चीज़ें। यीशु ने बचे हुए भोजन को इकट्ठा किया है। यह एक संकेत है कि यीशु चमत्कारों को हल्के में नहीं लेते हैं और उन्हें अनावश्यक स्थितियों में उपयोग करते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया केवल जॉन द्वारा रिपोर्ट की गई है। यह पैगंबर है! व्यवस्थाविवरण 18.15, एक पैगंबर होगा जो आपके बाद उठेगा, जैसे आप, आदि। तो, यदि आप चाहें, तो इंटरटेस्टामेंटल अवधि के एस्कैटोलॉजिकल आंकड़ों में से एक, मसीहा के अलावा, डेविडिक मसीहा, और हारून का एक मसीहा, एक संभावित पुजारी मसीहा, और पैगंबर था।

वे उसे राजा बनने के लिए मजबूर करने वाले थे। वे स्पष्ट रूप से किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे थे जो उन्हें रोमियों से बचा सके, और यदि आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो हर समय भोजन की आपूर्ति कर सके, तो इससे रोमियों के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी रसद समस्या हल हो जाएगी, है न? इसलिए, यीशु बारह शिष्यों को नाव में भेजते हैं, समानांतर मार्गों में, भीड़ को विदा करते हैं, और प्रार्थना करने के लिए पहाड़ियों में चले जाते हैं। पुराने नियम की पृष्ठभूमि।

काना में पानी को शराब में बदलने और चार हजार लोगों को भोजन कराने के अलावा भी इसी तरह के चमत्कार हुए। जंगल में मन्ना, निर्गमन 16, संख्या 11, व्यवस्थाविवरण 8, यहोशू 5, नहेमायाह 9, भजन 78। जंगल में भटकने की एक प्रमुख विशेषता।

जंगल में बटेर का प्रावधान है, निर्गमन 16, संख्या 11, भजन 78, भजन 105 जंगल में। एलिय्याह और सारफत की विधवा जिसका हमने अभी उल्लेख किया है, 1 राजा 17। एक और विधवा को

उसके बेटों को गुलामी में बेचने से बचाने के लिए तेल की मात्रा बढ़ गई, 2 राजा 4। और रोटियाँ और अनाज की मात्रा बढ़ गई, 2 राजा 4। वास्तव में ये दोनों एलीशा के अधीन हैं।

अन्य समानताएँ। ईश्वर खिलाता है। कुछ अंश।

भजन 104:27 और उसके बाद के पद। भजन 132:15. इन्हें देखिए।

भजन 104:27 और उसके बाद। ये सभी जानवर तुझसे उम्मीद करते हैं कि तू उन्हें उनका भोजन सही समय पर दे। जब तू उन्हें भोजन देता है, तो वे उसे इकट्ठा कर लेते हैं।

जब आप अपना हाथ खोलते हैं, तो वे अच्छी चीजों से संतुष्ट हो जाते हैं। जब आप अपना चेहरा छिपाते हैं, तो वे डर जाते हैं। जब आप उनकी सांस छीन लेते हैं, तो वे मर जाते हैं और धूल में मिल जाते हैं।

और भजन 132:15. मैं सिय्योन को बहुतायत से आशीष दूंगा। मैं गरीबों को भोजन से तृप्त करूंगा।

आपके पास लेविथान और बेहेमोथ के बारे में भी भयानक विचार हैं। परमेश्वर उन्हें अंत समय में इस्राएल के लिए भोजन के रूप में प्रदान करेगा। चमत्कार का क्या महत्व है? तत्काल प्रभाव।

5,008 से ज़्यादा लोगों की भीड़ को वह सब मिल गया जो वे चाहते थे, लेकिन मूल रूप से मौजूद से ज़्यादा बचा हुआ था। वे यीशु को राजा बनाना चाहते हैं। उद्धार के इतिहास में एक स्थान।

जंगल में इस्राएल के साथ मूसा की तुलना करें। व्यवस्थाविवरण 18:15 में मूसा जैसे भविष्यद्वक्ताओं के अंश भी देखें। यीशु के चमत्कारों में जो कुछ हुआ, वह यह था कि इसने लोगों का ध्यान उद्धार के इतिहास में पिछले समय की ओर आकर्षित किया जब परमेश्वर ने ऐसे काम किए थे।

वे समय मूसा, एलीशा और एलिय्याह के हैं। लेकिन चमत्कार के साथ यीशु का संबंध मूसा से कहीं ज़्यादा सीधा है। मन्ना के लिए, परमेश्वर मूसा से कहता है।

मूसा ने घोषणा की कि यह होने जा रहा है। और ऐसा होना शुरू हो गया। यीशु रोटी और मछली लेते हैं और उन्हें तोड़ना शुरू करते हैं।

और यह बढ़ना शुरू हो जाता है। और हम नहीं जानते कि यह कैसा दिखता है। हम वहां नहीं हैं।

तो, क्या यीशु ने इसे काफी हद तक संभाला? या शिष्यों द्वारा टोकरी में इसे ले जाने या किसी और चीज़ के साथ यह बढ़ता रहता है? मुझे नहीं पता। लेकिन हम 20 जौ की रोटियों से सौ लोगों को खिलाने वाले मामले से भी नहीं जानते। हम यह भी नहीं जानते कि यह कैसे हुआ।

हम इसे देखने के लिए वहां नहीं थे, और वर्णनकर्ता ने हमें नहीं बताया। लेकिन चमत्कार के साथ यीशु का संबंध मूसा की तुलना में कहीं अधिक प्रत्यक्ष है। यीशु के चमत्कारों की एक और विशेषता यह है कि वे न केवल मूसा और एलिय्याह के चमत्कारों से तुलना करते हैं, बल्कि वे विशिष्ट भी हैं - यीशु का संबंध अधिक प्रत्यक्ष है।

चमत्कार का महत्व, कुछ प्रतीकात्मक तत्व। अगले दिन यीशु का प्रवचन, यूहन्ना 6:22 से 71, जो इस बात पर वापस आता है कि, मैं जीवन की रोटी हूँ, और यह मूसा नहीं था जिसने तुम्हें मनुष्य के साथ खिलाया और जंगल ईश्वर था, इत्यादि, जो लोगों का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करते हैं कि इसका क्या महत्व है। वह इसे मनुष्य को बनाए रखने के लिए अपने स्वयं के जीवन को देने से भी जोड़ता है, और यह यीशु की मृत्यु का एक चित्र होने जा रहा है।

और आज हम प्रभु के भोज के संबंध में इसे और अधिक प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं। यह मेरा शरीर है, जो तुम्हारे लिए टूटा है। अगर तुम चाहो तो यह इसे वापस देख सकता है।

खैर, यहाँ इस पर आगे की नज़र है। तो, इसका महत्व कुछ हद तक प्रभु के भोज जैसा है। हम तीसरे प्राकृतिक चमत्कार की ओर मुड़ते हैं, मछली के मुँह में सिक्का, मत्ती 17।

यहाँ मैथ्यू 17:24, 27 का अंश है। आप कह सकते हैं कि यीशु और उनके शिष्य कफरनहूम में पहुँचे, वे प्रचार यात्रा पर निकले थे; दो-दराखमा कर वसूलने वाले पतरस के पास आए और पूछा, क्या तुम्हारा गुरु मंदिर का कर नहीं देता? उसने उत्तर दिया, हाँ, वह देता है। जब यीशु घर में आया, तो पतरस ने सबसे पहले बात की।

उसने पूछा, शमौन, तुम क्या सोचते हो? पृथ्वी के राजा किससे कर और कर वसूलते हैं? अपने बेटों से या दूसरों से? पतरस ने उत्तर दिया, दूसरों से। यीशु ने उससे कहा, तो बेटों को छूट है।

लेकिन हम उन्हें नाराज़ न करें, इसलिए झील पर जाएँ, अपनी लाइन डालें, पहली मछली पकड़ें, उसका मुँह खोलें, और आपको चार ड्रैचमा का सिक्का मिलेगा। इसे लें और मेरे और आपके कर के लिए उन्हें दे दें। घटना की ऐतिहासिकता, अवसर, गैलीलियन मंत्रालय के अंत में।

यीशु अभी-अभी कफरनहूम लौटे हैं, कम प्रोफ़ाइल रखते हुए, मार्क 9.30। आधा शेकेल कर वसूलने वालों ने पतरस से पूछा, और आधा शेकेल और एक टेट्राड्राकम मूल रूप से एक ही आकार के होते हैं, इसलिए यह दो-ड्राकम कर है। क्या यीशु भुगतान करते हैं? और पतरस, यह जानते हुए कि यीशु धर्मपरायण हैं और यह सब, कहते हैं, ज़रूर, हाँ। हालाँकि, जब पतरस कमरे में आता है, तो यीशु उसके सवाल का अनुमान लगा लेता है, और अपने सवाल और अपने चमत्कार के साथ जवाब देता है।

ऐतिहासिकता का प्रमाण? खैर, कर का विवरण। इसे यहाँ आधे शेकेल के बजाय डबल ड्राचमा कर कहा जाता है। इस्तेमाल किया गया शब्द सेप्टुआजेंट का नहीं है, लेकिन यह समकालीन उपयोग के लिए उपयुक्त है।

टेट्राड्राम के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्दों में से एक है। यीशु का यह अनोखा उत्तर महत्व के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण है। अर्थात्, वह केवल अपने पुत्रत्व का संकेत नहीं दे रहा है, बल्कि वह इसमें पतरस के पुत्रत्व का भी संकेत दे रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया? खैर, यह एक दिलचस्प चमत्कार है। घटना की रिपोर्ट भी नहीं की गई है। हम सिर्फ यीशु को पतरस को यह बताते हुए पाते हैं कि उसे क्या करना चाहिए, और यह मान लिया जाता है कि ऐसा हुआ था, किसी प्रत्यक्षदर्शी की प्रतिक्रिया तो दूर की बात है।

पुराने नियम की पृष्ठभूमि? इसी तरह के चमत्कार। खैर, जानवरों की हरकतें हैं, चमत्कार जो हमने पहले भी देखे हैं, और, बेशक, इसमें संभवतः एक मछली की हरकत शामिल है, सही मछली को पीटर के हुक तक पहुँचाना ताकि वह वहाँ पहुँच जाए। तो, योना की घटना, बटेर की घटना, विपत्तियों की घटना, आदि।

वित्तीय प्रावधान? खैर, विधवा के लिए तेल है जिसे बेचकर वह अपने पति के कर्ज का भुगतान कर सकती है, जो मर चुका था, ताकि बेटों को गुलामी में बेचने की जरूरत न पड़े। पूर्व-ज्ञान? शमूएल जानता है कि शाऊल के साथ क्या होने वाला है और अगले दिन वह क्या करने वाला है, 1 शमूएल 10। महत्व? इस तत्काल प्रभाव में, मंदिर कर का भुगतान किया जाता है।

यीशु ने पतरस के साथ इसकी अनिवार्य प्रकृति के बारे में एक बात कही। किसी तरह अब, यीशु और पतरस के लिए, यह अब अनिवार्य नहीं है। और वह इस बात को चमत्कारी पकड़ के साथ पुख्ता करता है।

मोक्ष के इतिहास में स्थान? जो मछली को नियंत्रित करता है वह पृथ्वी पर आया है, ठीक है? पिता के साथ उसका संबंध दूसरों से अलग है। मंदिर कर आपकी आत्माओं के प्रायश्चित के लिए था, एक दिलचस्प टिप्पणी। और यदि आप चाहें तो यीशु को प्रायश्चित की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वह दूसरों को इसी तरह के रिश्ते में लाता है, ठीक है? यह काम नहीं किया, ठीक है, बस चमत्कार में संकेत दिया गया है।

प्रतीकात्मक तत्व? आधा शेकेल कर और प्रायश्चित, यहाँ निर्गमन 30, श्लोक 13 से 16 में है। प्रत्येक व्यक्ति जो पहले से गिने गए लोगों के पास जाता है, वह यहाँ भीड़ बनाकर यह कर लगा रहा है, और फिर प्रत्येक बाहर आता है, आधा शेकेल देता है, और आगे बढ़कर दूसरी भीड़ बनाता है। प्रत्येक व्यक्ति जो पहले से गिने गए लोगों के पास जाता है, उसे पवित्र स्थान के शेकेल के अनुसार आधा शेकेल देना है, जिसका वजन 20 गेराह है।

यह आधा शेकेल यहोवा के लिए एक भेंट है। जो लोग पार करते हैं, वे 20 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हैं, उन्हें यहोवा को भेंट देनी है। अमीरों को आधे शेकेल से ज़्यादा नहीं देना चाहिए। गरीबों को अपने जीवन के प्रायश्चित के लिए यहोवा को भेंट चढ़ाते समय कम नहीं देना चाहिए।

यहाँ NIV अनुवाद है; यह आत्मा भी हो सकता है। वैसे भी यह प्रायश्चित है। इस्राएलियों से प्रायश्चित का पैसा प्राप्त करें और इसे मिलन के तम्बू की सेवा के लिए उपयोग करें।

यह यहोवा के सामने इस्राएलियों के लिए एक स्मारक होगा, जो तुम्हारे जीवन के लिए प्रायश्चित्त करेगा। मसीहियों का कानून से संबंध। यह एक बहुत ही विवादास्पद क्षेत्र है।

यहाँ एक अंश दिया गया है जो इससे संबंधित है। खैर, यीशु और चमत्कारों, और विशेष रूप से प्रकृति पर उनकी शक्ति, यदि आप चाहें तो, के बारे में हमारी यात्रा यहीं समाप्त होती है।